>

Title:Need to set up an Indian Council of Veterinary Research in the Country.

श्री संतोष गंगवार (बरेली): महोदय, पशुधन में भारत का स्थान विश्व में पूथम है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान भारत के अर्थव्यवस्था, ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या के पोÂाण और स्वरोजगार में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। दुग्ध उत्पादन, अण्डा उत्पादन, मांस उत्पादन एवं कुक्कुट पालन में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही दुग्ध उत्पादन में भारत विश्व में प्रथम स्थान रखता है। कृषि द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पादन में कुल योगदान का 30औ भाग पशुपालन द्वारा दिया जाता है। पशुपालन एवं पशु उत्पादन का विकास दर 6औ से बढ़ रहा है, बर्ड फ्लू जैसी बीमारियों के बावजूद कुक्कुट पालन का विकास दर 17औ से बढ़ रहा है, जबकि कृÂिा का विकास दर 2औ पर ठहरा है। आज भारत के आम किसान, युवा बेरोजगार पशुपालन को जीवन-यापन का जरिया बना रहे हैं एवं पशुपालन, खेती के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में अपना स्थान ले रहा है।

वर्तमान समय में देश के आर्थिक विकास, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बेहतर शोध और नये अनुसंधान के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिÂाद (आईसीएमआर) की तरह भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीवीआर) का गठन करने की आवश्यकता है जो देशहित एवं जनहित में जरूरी है। अतः वर्तमान समय में पशुपालन, पशु चिकित्सा विज्ञान के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है। यही कारण है कि उच्च स्तरीय एवं तकनीकी समितियों द्वारा भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान परिÂाद (आईसीवीआर) के स्थापना के संदर्भ में बार-बार जोरदार सिफारिश की गई है ताकि सरकार के पास लंबे समय से लंबित भारतीय कृषि अनुसंधान परिÂाद से स्वतंत्र भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान परिÂाद की स्थापना हो सके।